(b) and (c) Of the 895 trucks remaining unreconciled up to December, 1993, 128 trucks have since been reconciled, leaving a balance of 767 trucks. The work of reconciliation is a regular and continuing process.

Restrain in Announcing Higher Prices for Sugarcane by States

1603. SHRI KAMAL MORARKA :

SHRI SURESH KALMADI :

Will the Minister of FOOD be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Central Government have asked state Governments to restrain from announcing higher prices for sugar cane;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether the directive has been adhered to by all the States; and

(d) if not, the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD (SHRI KALAP NATH RAI) : (a) Yes, Sir.

(b) Unduly high and uneconomic prices of sugarcane adversely affect the liquidity of the sugar factories and result in accumulation of cane price arrears.

(c) and (d) At present various systems are being adopted by different State Governments in announcing State Advised Prices of Sugarcane. At the State Sugar Ministers' Conference held on 5th February, 1994, a Committee of 5 Ministers of Uttar Pradesh, Punjab, Tamil Nadu, Karnataka and Maharashtra was constituted to recommend a rational uniform pricing policy for sugarcane.

भारतीय खाद्य निगम के गोदानों में खाद्यान्न की जांच

1604. **श्री कैलाश नारायण सारंग :** क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में दिसंबर, 1993 तक कितना गेहूं और चावल उपलब्ध था;

(ख) क्या इन गोदामों की तिमाही/छमाही/वार्षिक आधार पर कोई अस्तित्व जांच की जाती है;

(ग) यदि हां, तो क्या सब कुछ ठीक पाया जाता रहा है;

(घ) यदि ऐसी कोई जांच नहीं की जाती है, तो उसके क्या कारण हैं और क्या सरकार ने इसकी आवश्यकता महसूस की है; और

(ङ) क्या भारतीय खाद्य निगम का कुछ गेहूं तथा चावल, जो ट्रकों द्वारा राज्यों को भेजा जाता है, लापता हुआ है यदि हां, तो कितना माल लापता हुआ है और यह कब से लापता होता रहा है; और यह बात सरकार की जानकारी में कब आयी है ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्प नाथ राय) : (क) भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में 31-12-1993 की स्थिति के अनुसार गेहूं और चावल की निम्नलिखित मात्राएं उपलब्ध थीं :—

गेहूं . . 67.43 लाख मीटरी टन

चावल . . 111.73 लाख मीटरी टन

(ख) से (घ) भारतीय खाद्य निगम द्वारा जारी किए गए स्थायी अनुदेशों के अनुसार, गोदामों की तिमाही और वार्षिक आधार पर वास्तविक जांच पड़ताल की जानी होती है। यदि कोई कमी पाई जाती है तो उस मामले में संबंधित प्राधिकारी उपयुक्त कार्रवाई करते हैं।

(ङ) भारतीय खाद्य निगम द्वारा अधिशेष राज्यों से उपभोक्ता राज्यों को खाद्यान्नों की ढुलाई सामान्तया रेल द्वारा की जाती है। तथापि, पहाड़ी राज्यों के मामले में सड़क मार्ग द्वारा खाद्यान्नों की ढुलाई की जाती है। जम्मू और कश्मीर के मामले में जम्मू से श्रीनगर घाटी में सड़क मार्ग द्वारा खाद्यान्न पहुंचाया